amaan.cooldude18
राज
कॉमिक्स विशेषांक
संख्या 25
नागराज और मिस किलर
इस विशेषांक के साथ एक आकर्षक स्टीकर मुफ्त

लेखक :
तरुण कुमार वाही
कलानिर्देशन :
प्रताप मुलीक
संपादक :
मनीष गुप्ता
चित्र :
विट्ठल कांबले

यहां किस जाति के सांपों से होगा हमारा सामना?

मिल गया! मुझे सांप मिल गया!

आह!
अरे! इन्हें क्या हुआ?
वो देखो! उस सर्प ने डस लिया है इन्हें!
भागो!
खूंखार सर्प ने छोड़ी एक अद्भुत फुंकार—
चीख उठा वह—
आह...! मेरी आँखें नहीं खुल पा रहीं! मैं अंधा हो गया!
आह!

मौत व दहशत का खेल जारी था
सर्प के मुंह से छूटे द्रव्य ने जकड़ लीं उसकी दोनों टांगें –
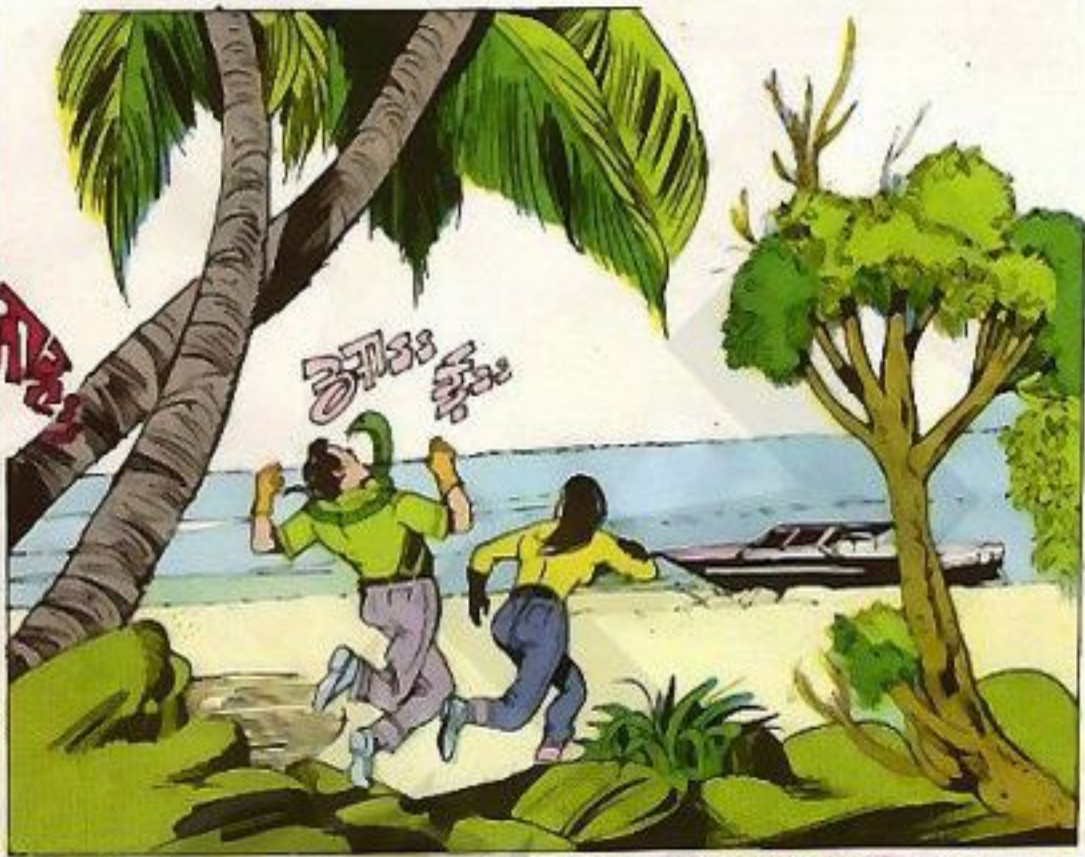
भय से जड़ सी हो गई थी वह लड़की –

मौत चन्द कदम के फासले पर दिखाई पड़ गई थी उस हिरणी को, जिसे बेतहाशा अपनी सम्पूर्ण शक्ति लगाकर भाग पड़ी वह –
यह क्या आ चिपका था उसकी एक टांग पर –

मौत डस लेती उसे भी, लेकिन इसी पल –
फरिश्ता बनकर आ गया वह हाथ –

जोली! तुम मेरी यहीं प्रतीक्षा करना, मैं शीघ्र ही लौटता हूँ!

नीलकंठ के ही एक, दूसरे हिस्से में तबाही मचाती आगे बढ़ रही थी वह विशेष मशीन—

नीलकंठ के चप्पे-चप्पे पर छिपे सांपों को इस मशीन में कैद करना है मुझे!

ओह!
स्नेककिंग!
आ गया स्नेककिंग, और –
आह!
आह

और वह लाश मुआयना कर पूरी तरह से चौंक पड़ा था नागराज –
मिसकिलर? इसने मिसकिलर को क्यों पुकारा? क्या स्नेकफांग मिसकिलर के लिए काम कर रहा था?
नागराज के मस्तिष्क में चलने लगी आँधियां सी –
क्या करना चाहती है मिसकिलर सैकड़ों हजारों सर्पों को पकड़कर? कहां है वो? उफ!
विश्व पर फिर कोई भयानक खतरा मंडराता नजर आने लगा था नागराज को।
नागराज वापस लौटा, तो –
अरे! वह लड़की गयी? लगता है वह भाग गई है। मैंने अधिक समय लगा दिया लगता है।
और इधर नागराज को जाते हुए देख रही थी वह खूबसूरत कातिल, मिस... मिस-किलर!
नागराज! एक स्नेकफांग को मारकर तुम मुझे मेरे उद्देश्य से इस बार नहीं डिगा सकते!

हा हा हा!
देख रही थी वो खूबसूरत बला?

प्रयोगशाला में कार्टून प्रोफेसर पिंडाकर के कंठ से एक आश्चर्यजनक चीख निकल आई —
उफ़! जीनी! उस सर्प ने तुम्हारी टांग पर जो पदार्थ फेंका था... वह... वह...

...वह बिल्कुल वही "चीज़" है, जिसका मैं तुमसे अक्सर ज़िक्र करता रहता था।
क्या सच पापा?
हां, जीनी, हां इस पदार्थ का नाम याद कर लो
FEVIVEMIQUICKFASTFIX
COLETAPECELOSEAL
MBBSGUMCHEWINGUM
BUBBLECHIPAKCHIPAK

हा हा हा हा! विज्ञान की दुनिया में तहलका मचा दूंगा अब मैं!

लेकिन... लेकिन तुम्हारे साथ तो कई और भी विद्यार्थी रहे होंगे! क्या वे सब भी जानते हैं इस पदार्थ की उपयोगिता के बारे में?
नहीं पापा! क्योंकि वे सब अब इस दुनिया में नहीं हैं! उन सांपों ने किसी एक को भी जीवित नहीं छोड़ा!

स्थान! प्रियदर्शिनीनगर!
WORLD ADHESIVE-MANUFACTURE ASSOCIATION (WAMA) द्वारा आयोजित की गई थी विश्वभर के चिपचिपे पदार्थों की वह प्रदर्शनी!
ORGANISED BY WORLD ADHESIVE MANUFACTURERS ASSOCIATION PRIYADARSHNI NAGAR (INDIA)
USE SU-SUNG GUM FOR STABILITY
जिसमें भाग ले रही थीं विश्वभर की अति चिपचिपे पदार्थ निर्मित करने वाली कम्पनियां!
किन्तु प्रदर्शनी-स्थल पर हंगामा मचा रखा था केवल जुम्मा-चुम्मा गोंद के उस प्रदर्शन ने—
ये है "जुम्मा-चुम्मा गोंद कम्पनी" का

क्रिंच
क्रिंच
उफ़! ये तो जाम हो गई!
फुल एक्सीलेटर पर एक इंच भी आगे नहीं खिसक पा रही ये मोटरसाइकिल!
इन प्रदर्शनों के साथ ही टूटी पड़ रही थी भीड़ चेपिकोल के स्टाल पर—
एक डिब्बा मुझे देना चेपिकोल का!
क्या इससे मेरे नकली दांत भी चिपक जायेंगे?
एक ट्यूब मुझे!
हाँ-हाँ... हैलो! कितना... ओह... ठीक है! माल जल्दी "डिलीवर" कर दिया जायेगा। थैंक्यू... थैंक्यू!
हा हा हा! जीजी! विश्वभर में तहलका मचा रहा है चेपिकोल! आर्डर पर आर्डर आ रहे हैं! चेपिकोल के निर्माण के लिए एक और फैक्टरी की स्थापना जल्द ही करनी होगी हमें बेटी!
और तुम फिर इरादे नेक कैसे हो सकते थे इनके, जब सूरतें व हरकतें ही नेक नहीं थीं!
भाई-कालाचंद और उसके ग्रुप के गुण्डे! उफ़!
??
धड़ाक
आउऽऽह

तेरी तबाही व बर्बादी का ठेका ताइक्वांडो को मिला है प्रोफेसर दिवाकर! और तेरा कसूर ये है कि तूने एक ऐसा विलायक पदार्थ बनाया जिसने पेंट कोट कम्पनियों पर ताले जड़वा दिये।

नहीं! रुक, आओ डैडी!

ताइक्वांडो! मैंने इस कारखाने को अपने खून से सींचा है। इसे तबाह व बर्बाद मत करो। तुम्हें भगवान का वास्ता!

हा हा हा

ताइक्वांडो ने केमिकल्स से दीवार को तहस-नहस कर दिया और फिर –

हा हा हा! अब तू अपनी बेटी के साथ अपनी तबाही व बर्बादी का मंजर केमिकल्स पर पिघल कर आराम से देख सकेगा।

छपाक

आह, नहीं!

नहीं! नहीं! आह!

अफसोस! तेरी फैक्ट्री का ताला खुलने से पूर्व ही मैंने जड़ दिया तेरी ज़िन्दगी पर मौत का ताला! हा हा हा!
बचने की चेष्टा में गोंदू ने कार को गति दे दी—
अचानक झटके से उस चौराहे पर आ रुकी कार!
ओह, नो! यह क्या हुआ? कार के पहिये कहाँ चिपक गए? उफ!
अगले ही पल दैत्य के समान आ टकराया वह ट्रक उस कार से—
हा हा हा! कार की अपने अचानक अंजाम के लिए तुम खुद ही यहां आये थे मिस्टर गोंदू! हा हा हा... मैंने तो सिर्फ सड़क पर गोंद फैला दिया था।
शोर में ही दम तोड़कर रह गईं मिस्टर गोंदू की भी चीखें।

केमिकल फैक्टरी की तबाही के बाद नए ऑर्डर की रिपोर्ट सुनते मिस्टर अड़वाणी बेहद प्रफुल्लित नजर आ रहे थे।
वेरी गुड! अब हमारी फैक्टरी को फिर से

ठीक इसी पल गूंज उठा खतरे का अलार्म!
और मच गया—
आह!
आह!

आह! उफ़!
ओह! यह क्या? मैं कुर्सी से हिल भी नहीं पा रहा।
छूटने के प्रयास में कुर्सी समेत फर्श पर आ गिरे मिस्टर अड़वाणी!

कुर्सी के साथ बुरी तरह से चिपक गए थे मिस्टर अड़वाणी—
बहादुर! बहादुर! मुझे कुर्सी से छुड़ाओ उफ़!

और दरवाज़ा खोलते ही आग के भभके ने झुलसा डाला मिस्टर अड़वाणी को—
भsभाक
आsह

लकड़ी के उस शानदार ऑफिस केबिन ने बेहद तेजी से पकड़ी आग और—
आहssss
सब कुछ पल में "स्वाहा" होता चला गया—

खूंखार अपने शिकार को बचने का अवसर नहीं देता।

टेपो-कम्पनी के प्रबंधक मिस्टर टेपो के चेहरे की प्रसन्नता उस क्षण ही गई काफूर—
?

टाइम बम! और इसके फटने में रह गए हैं केवल तीन मिनट! उफ!

ओह! ये तो मेरे हाथ से बुरी तरह से चिपक गया है!
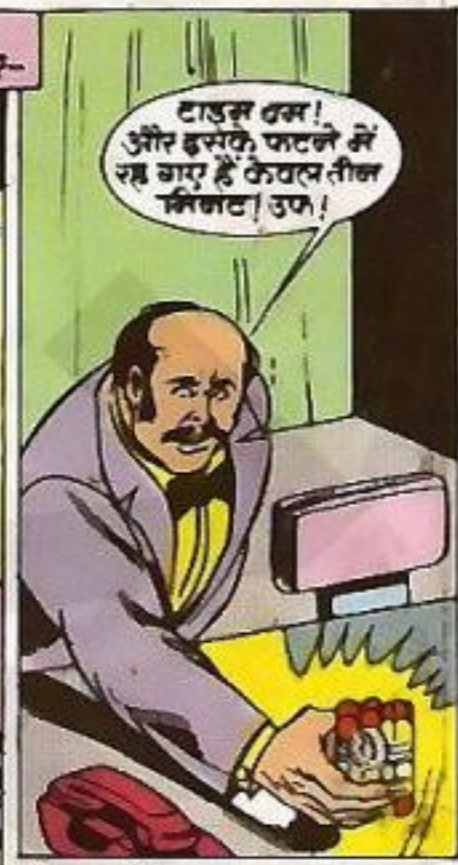
नहीं! उफ! दो मिनट पश्चात फट जाएगा ये बम और उड़ा देगा मेरे भी चिथड़े!

मौत की दहशत ने एक अचानक कदम उठा लेने पर विवश कर दिया मिस्टर टेपो को—
इसके सिवा और कोई रास्ता नहीं बचा!

और फिर इसका अन्त पाया वह—

यह क्या? मेरा हाथ हैंडिल पर ही चिपक गया! उफ़!

दूसरे ही पल कार की ड्राइविंग सीट पर
मिस्टर तैलंग! अपने भगवान को याद कर लीजिए!
क्योंकि, मैंने आपके लिए एक भयानक मौत चुन रखी है।
हा हा हा हा! कैसा लग रहा है, चीखता-चिल्लाता, तड़पता! हा हा हा!
कार तेजी से बढ़ी उस खतरनाक "स्पोट" की ओर —
सम्हलो देखो मिस्टर तैलंग! एक ही झटके में तुम्हारा जिस्म कई टुकड़ों में बदल जायेगा!

लेकिन —
एक झटके से रुक गई कार —
आह... नहीं...
और यह काम था उन सैकड़ों साँपों का —
!!
...जो निवास करते हैं नागराज के जिस्म में —
मैं नहीं जानता कि तुम इनकी जान क्यों ले रहे हो? लेकिन नागराज के रहते तुम अपने इस उद्देश्य में सफल नहीं हो सकते!
इसकी मौत मेरे हाथों लिखित है नागराज! तुम भी मुझे नहीं रोक पाओगे।
तो फिर कोशिश करके देख लो!
कार को जकड़े हुए सभी साँप वापस समा गए नागराज के जिस्म
की उंगलियों से फूट पड़ी वायु की फुंकारें —
नागराज! मेरी कोशिश सिर्फ कोशिश नहीं होगी, बल्कि सफलता होगी!

कैसा तरल है ये?
मेरे सर्पसैनिक, इसे फौरन जकड़ लेंगे।
हा हा हा! नागराज! ये मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पायेंगे!
उफ! इसकी अद्भुत ताप ने मेरे कई सर्प सर्पसैनिकों को अकड़ा दिया है!
ओह...
तड़ाक
तड़ाक

लेकिन नागराज!
अब तेरी मौत का ख्वाहिशमंद हूं।
उफ़!
तत्क्षण नागराज की सर्परस्सी लिपटती चली गई उस हुक पर, और–
इसी पल पुनः सरसराई नागराज की कलाई से सर्परस्सी, और–
यह पाइपों का ढेर अब काम आयेगा।

विद्युत सी चमकी –

नागराज को बचाओ!
नागराज भट्टी की ओर जा रहा है।
ट्राली को रोको!

नागराज भट्टी में गिर गया। उफ़!

नागराज!

मिस किलर—
मिस किलर! यह रही आपकी सफलता! उस स्टील मिल के हजारों कर्मचारियों का वेतन।
फायर! तुम्हारी सफलता देखकर इस बार मुझे लग रहा है कि मैं जल्दी ही बन जाऊंगी विश्व-विजेता।
फायर! ये सारा रुपया किलर-कोष में जमा करा दो!
उस स्क्रीन पर उभर आया एक फैक्ट्री का दृश्य—
हा हा हा! फायर की तरह के सैकड़ों रोबोट्स का निर्माण जारी है, किंतु इन रोबोट्स और इंसानों में फर्क करना आसान न होगा।
एक अन्य बटन दबाते ही स्क्रीन पर उभरा एक अन्य चेहरा—
! फैक्टरी का काम कैसा चल रहा है?
रोबोट्स तैयार हो रहे हैं मिस किलर! अब इन्हें केवल कोडेट में बदलना बाकी है।
हा हा हा! नागराज! इस बार मेरी रोबोट्स सेना के आगे से तू जीत न पायेगा!
लोमड़ी सी चमक उभर आई थी मिस किलर की आंखों में

समाचारपत्र के उस कॉलम पर टिकी थी छलावा की खून से सुर्ख निगाहें-
पैसा लेकर हत्याएं, दंगा-फसाद करने वाले पेशेवर मुजरिमों का पूरा ग्रुप गिरफ्तार! आज दस बजे अदालत खुलते ही ताइक्वान्डो और उसके साथियों को अदालत में पेश किया जायेगा।

अदालत में नहीं यमराज के दरबार में पेश करेगा छलावा ताइक्वान्डो और उसके ग्रुप को!

लॉक-अप से निकालकर ताइक्वान्डो ग्रुप को अदालत ले चली एक पुलिस वैन—
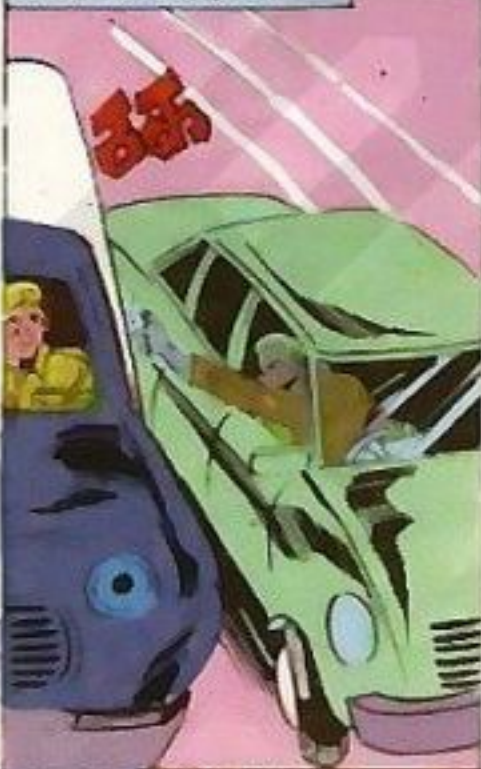
ठीक इसी पल एक कार आ सटी वैन के साथ, और—
वैन की दीवार के साथ चिपकते देर न लगी थी उस बम को।

शीघ्र ही-
वैन को रोक कर अपनी जान बचाओ। मैंने वैन की बाहरी दीवार पर बम चिपका दिया है जो बीस सेकिण्ड बाद फट जायेगा!

तीव्र वेग के साथ कार आगे बढ़ गई और उछल पड़ा हवलदार—
उफ! बम सचमुच वैन की दीवार पर चिपका है।
टिक
टिक

अरे अर्जुन! रामदीन! कूद आओ। वैन में बम फटने वाला है!

ताड़क्वाण्डो ग्रुप के सिर पर मौत का आतंक मंडरा उठा—
खींचो! तोड़ डालो ये बंधन!

धमाके से हिल उठा क्षेत्र—
भड़ाम
और धमाके से कुछ क्षण पूर्व ही वैन से कूद गया ताड़क्वाण्डो ग्रुप भी।

लेकिन मौत ने अभी भी न छोड़ा था उनका पीछा—
मौत से एक बार तो बच गए तुम ताड़क्वाण्डो, लेकिन अब नहीं बच पाओगे।
कौन हो तुम?

उफ!
आह!
यह क्या?

हाहाहा! ये सब कुछ ही देर में अकड़कर मर जायेंगे ताड़क्वाण्डो! और अब बारी तेरी है!
क्या करें? इसे घेरें?
पागल हुआ है क्या? देखा नहीं कि उसने सबको चिपका दिया है। भागो यहां से।

मौत के भय से झपट पड़ा ताइक्वाण्डो छलावा पर—
ताइक्वाण्डो को अवसर देकर तूने अपनी मौत बुला ली है छलावा! हम्....
ऊफ!

और उछल पड़ा ताइक्वाण्डो—
त... तुम? जीनी? प्रोफेसर दिवाकर की बेटी?
हां! उसी प्रोफेसर दिवाकर की बेटी, जिसे तूने कई कम्पनियों से पैसा लेकर बर्बाद कर डाला।

उन धोखेबाज कम्पनी मालिकों को तो मैंने मार डाला। अब मैं तुझे भी जिन्दा नहीं छोड़ूंगी ताइक्वाण्डो!
जीनी ने उस पर तरल की वर्षा सी कर दी।
नहीं ऊक!

मौत के भय से थरथरा उठा ताइक्वा-ण्डो भी—
जीनी! मुझे बचाओ। मैंने जो कुछ किया वो सिर्फ मुक-आद सी के कहने पर किया...
और उसके बाद अपने होश में आ रहे ताइक्वा-ण्डो ने जो कुछ बताया, उसे सुनकर जीनी के मस्तिष्क में अनार से छूटने लगे। आंखें अविश्वास से भर उठीं—

बैंक के अंदर उस विचित्र व्यक्ति की मौजूदगी किस खतरे की ओर संकेत कर रही थी!
आह!

आह
नागराज! संभल
आये शोले!

नागराज का वार बचाने के साथ ही--
नागराज! तुझे चिपकाने के लिए अनाज का इंतजाम मैंने कर लिया है!
उफ!
...झपकते ही नागराज के हाथ भी पीठ की ... चिपका दिए उसके--
सचमुच उस वृक्ष पर आ चिपका नागराज!
उफ! इसने तो बुरी तरह से चिपका दिया मुझे!
हा हा हा! नागराज! वो देख आई तेरी मौत!
लाल कपड़ा देखकर बुरी तरह उत्तेजित हो उठा था सांड!
क्या करे अब नागराज?
ओह! ये सांड अगर मुझ से टकरा गया तो मेरी हड्डियां भी इसी पेड़ पर चिपक जायेंगी।
मदमस्त सांड दौड़ा चला आ रहा था नागराज की ओर!

बिफरे हुए सांड की ताकत का शीघ्र ही एहसास हो गया सौडांगी को—

आह!

सौडांगी की अवस्था देख चीख उठा नागराज—

सौडांगी! तुम पीछे हट जाओ। इसे बढ़ने दो मेरी ओर!

आह!

ठीक इसी पल—
ओह! यह क्या?
अचानक ही पल उस अगोचर कैद से स्वतंत्र हो गया नागराज—
नागराज! जल्दी करो! सौडांगी की जान खतरे में है!
ओह! यह तो वही लड़की है, जोजी!
किंतु पहले नागराज को सोचना था सौडांगी के बारे में—
सौडांगी! घबराना नहीं! आ रहा है नागराज तुम्हें बचाने!
नागराज!
नागराज को चिपका देखकर तेरे हौंसले जरूर कुछ ज्यादा बुलन्द हो गए हैं।
पर अब तेरे होश दुरुस्त हो जाएंगे!

सर्परस्सियों से जकड़ दिया नागराज ने उस सांड को –
उफ! नागराज! अगर तुम ठीक वक्त पर न आ जाते तो ये सांड मुझे खत्म किए बिना न छोड़ता!
सही वक्त पर तो इस बार जौली आई थी, सौडांगी!
और इधर कार दौड़ाता चौंक पड़ा समखौल –
अरे! यह क्या? ये सांप कहां से आ गये?
नागराज आयेगा तो सांप नहीं आयेंगे क्या समखौल?
नागराज?
सौडांगी वापस समा गई नागराज के जिस्म में!
बड़ी तेजी से कार को सांड के आगे लाकर ब्रेक मारे समखौल ने –
सांड की पीठ से उछलकर नीचे आ गया था नागराज भी –
नागराज! उस पागल सांड को तो तूने काबू में कर लिया, पर अब...
धुंआ उगलती चली आ रही उस ट्रेन को काबू में करना तेरे बस की बात नहीं!
समखौल ने ड्रम उछाल फेंका नागराज पर –

दैत्य की तरह दौड़ी चली आ रही थी ट्रेन!
नागरस्सी पर उठता चला गया नागराज का जिस्म!
तो एक के बाद एक समस्याएं खड़ी कर रहा है!
ही नीचे उतरा नागराज, और तभी—
ओह! जीजी तुमने एक बार फिर इस मुसीबत के समय मेरी मदद की।
नागराज! जीजी अब प्रत्येक पल तुम्हारे साथ है! को अंत कर दो नागराज!
ने बड़ी तेजी से किया बेंत की चोटों का प्रहार जिससे बचने के लिए नागराज को नटों की भांति उछलना पड़ा—
मुझे बचना पड़ेगा इन हमलों से!

लेकिन —
उफ, न चाहते हुए भी … चिपक ही गई।
गोंद की बोतलों की वर्षा से बचने के लिए भागा नागराज, और उसके पैर से चिपकता चला गया कबाड़ खाने का सारा कबाड़ भी—
उफ! ये पट्टी तो लम्बी होती चली जा रही है। अब पहले इसी से छुटकारा पाना होगा!
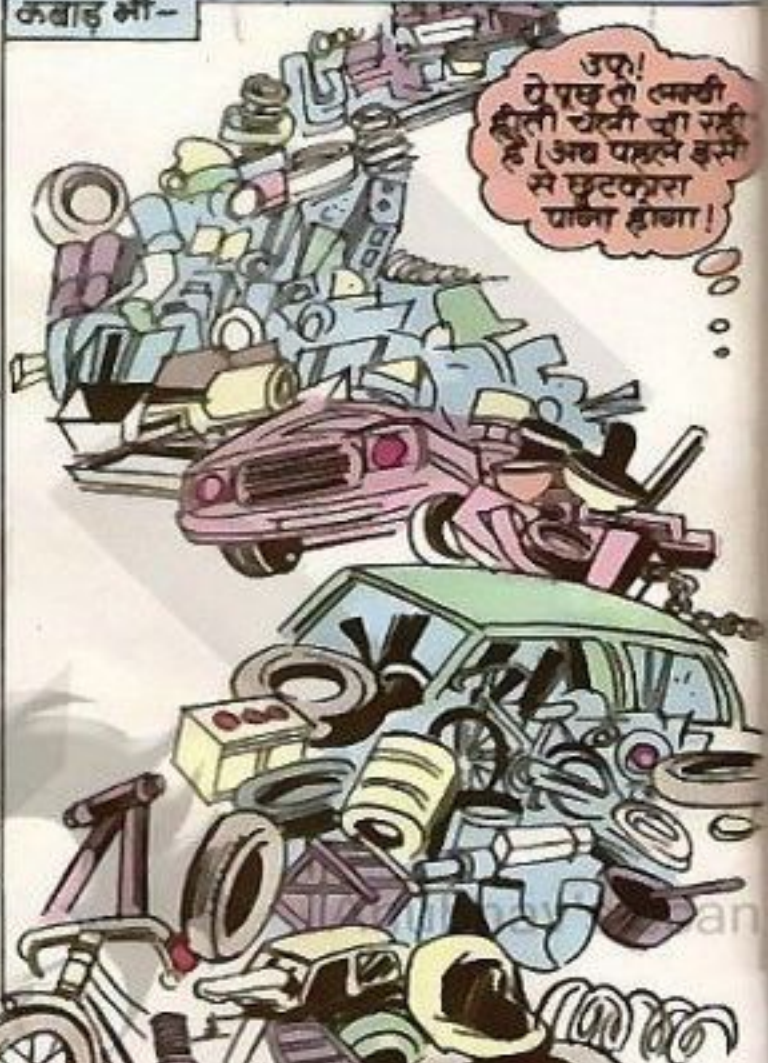
खटाक
के हाथ से छूटकर पुनः नागराज की ओर बढ़े –
नागराज! संयोग से तू एक ऐसे स्थान पर मुझसे मिला है, जिसकी जरूरत तुझे मुझसे मुकाबले के बाद पड़ने वाली है...
...अब तेरी हड्डियाँ इस कबाड़खाने की शोभा बढ़ाएंगी!
ने फुर्ती के साथ आगे बढ़कर तराजू के उस पलड़े को टीन के पत्तरे की तरह तोड़-मरोड़ दिया –
हा ही हा हा
के उस वार की शक्ति को पहचान गया था नागराज –
इसका ये वार

और—
अफसोस! काश कि दूरदर्शन पर यह दृश्य मैं दिल्ली-वासियों को भी दिखा पाता!

आगबबूला हो उठा गामबौल!
नागराज ने जकड़ दीं उसकी कलाइयां—

आवेश में भरकर नागराज ने गामबौल का सिर दबोच लिया अपनी हथेलियों में—
गामबौल! अपने सृष्टिकर्ता को याद कर ले!
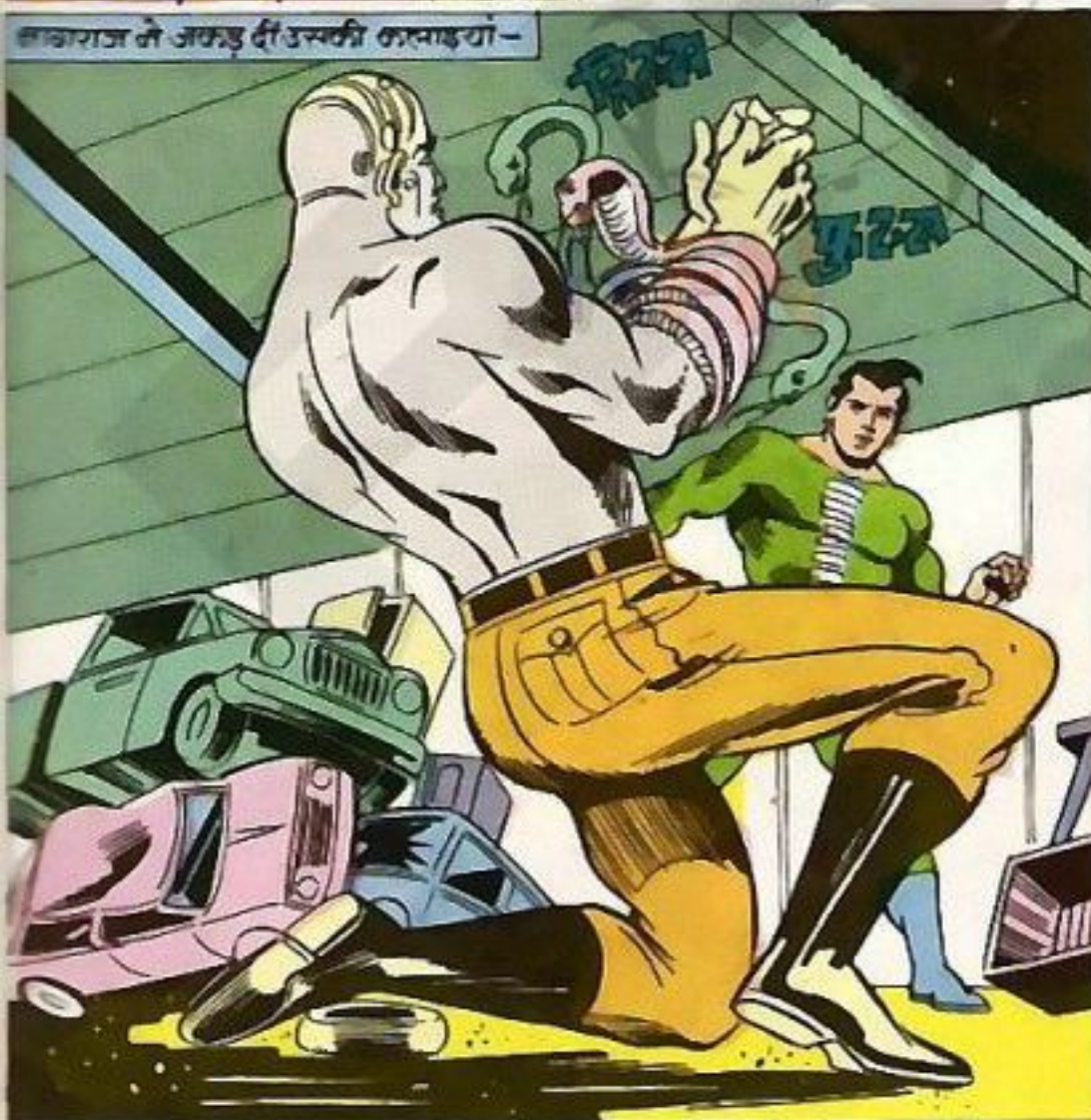
टूटकर नागराज के ही कदमों पर आ गिरी थी गजपोल की खोपड़ी —
तो मेरा संदेह ठीक निकला!
रोबोट ही कर रहे हैं मुझ पर आक्रमण!
मैं तुमसे शर्मिंदा हूं नागराज! उस दिन मैं बेड़ में तुम्हारी प्रतीक्षा न कर सकी!
तुम्हारी हिम्मत व बहादुरी की तो दाद देनी होगी! मेरी जीवन रक्षा के लिए तुमने अपनी जान की भी परवाह नहीं की।
कौन है इसके पीछे? क्या है उसका उद्देश्य? अब यही मुझे पता लगाना है।
नागराज! तुम्हारे इन सभी प्रश्नों का उत्तर मैं दे सकती हूं!

धूम्म
नागराज!

आह! नागराज बचाओ!

ओह,
टेपू एक
और मोर्चा!
किस प्रकार
करेगा ये
आक्रमण?

टेपू की कलाई से छूटी चिपचिपी टेप रस्सी लिपट गई नागराज से—
ओफ्फ!
टेप रस्सी! ये मुझ
से लिपट रही
है।

अजीब हालत हो गई नागराज की —

उफ़! शीघ्र ही छुटकारा पाना होगा मुझे इस मुसीबत से।

नागराज! मुझे बचाओ!

किलर!
हा हा हा! अब वह समय आ गया है, जिसका मुझे बड़ी बेसब्री से इंतजार था।
मेरी रोबोट सेना तैयार हो चुकी है। जो अब विश्व की बड़ी-बड़ी शक्तियों पर कयामत ढाकर उन्हें मेरे सामने घुटने टेकने पर विवश कर देगी!
मिस किलर पलट गई उस ओर —
और लड़की! मिस किलर तेरी होशियारी की दाद देती है। से हमारे बारे में जानने के बाद तुमने हमारी जासूसी आरम्भ कर दी।
यहीं से तुम्हें हमारी हर एक्टिविटी का पता लग रहा था। और तुम यह जानकारी किसी प्रकार आगे नागराज को पहुँचा देती थीं। अन्यथा जैकसॉन द्वारा बैंक डकैती के प्रयास में नागराज का खलल कभी न पड़ता।

और अब तेरी मौत मेरे लिए बहुत आवश्यक हो गई है, क्योंकि मैं जानती हूं कि तूने मेरी सेना के सुपर का तोड़ ढूंढ निकाला है!
जीवी! ऊपर देख! मेरे द्वारा इस बटन को दबाए जाते ही तेरे ऊपर खिंचकर तुझे हमेशा के लिए खामोश कर देगा!
और तुझे हमेशा के लिए निश्चित! हा हा हा!
सरसराकर चल गई नागरस्सी मिस किलर की कलाई पर—
उफ! सांप! सांप कहां से आ गए?
इन्हें मैंने भेजा है मिस किलर ताकि तू वो न कर सके, जो करने जा रही थी!
नागराज! तुम यहां?
मैं यहां भी आ पहुंचा!
ओह, नागराज!

किलर!
तुम्हारे
पर डाल
हूं!
टेपू को लपेटने को बढ़ चली नागरस्सी और नागरस्सी को लपेटने चली टेपरस्सी —
पलक झपकते ही सर्परस्सी को जकड़कर उसकी कुंडली बिछा दी थी टेपू ने —
हा हा हा! नागराज! संभलना! कहीं तेरी सारी सर्प सेना चिपकी न पड़ी हो!
ओह! इस प्रकार तो ये सचमुच मेरी सर्प सेना का पुलिंदा बांध देगा!
इसी पल नागराज के हाथ में दिखाई पड़ी वो स्प्रे बोतल —
टेपू! तेरी शक्ति है अधेसिव टेप, जिसे बेकार कर देगा जैली द्वारा तैयार ये स्प्रे!
उफ, नहीं! मिस किलर!
पूरी स्प्रे बोतल खाली कर दी नागराज ने उस पर —

नहीं मिस किलर! मैंने तुम्हारे कहने से खुद को दुनिया की निगाहों में पागल दिखाकर सुपर-अथीसिव का प्रयोग तुम्हारे गोदाट्स के लिए करना स्वीकार किया!
तुम्हारे लिए अपना कारोबार छोड़कर मैं अपराधी बन गया! और अब तुम मेरी ही बेटी को खत्म कर दोगी? नहीं, मिस किलर! मैं ऐसा नहीं होने दूंगा!
मिस किलर! मुझे समाप्त कर दो! मैं देश के गद्दार को अपना बाप नहीं मानती!
नहीं जौली! बेटी! ऐसा मत कह मैं तेरा बाप हूं!
आपके कारण मैं गलत-
फहमी का शिकार होकर कई
कम्पनियों के मालिकों की
ओं की अपराधिनी बन
गई! मैं पहले ही
जाती आपकी
असलियत!
जौली!
तभी हवा में लहराए दो और फन्दे, और—
उफ!
हा हा हा! प्रोफेसर दिवाकर, अब मुझे तुम्हारी भी आवश्यकता नहीं रही, क्योंकि वह फॉर्मूला मैंने तैयार कर लिया है जिससे तैयार होता है सुपर अथीसिव!

लेकिन इससे पहले कि, मिस किलर लीवर दबा पाती, उसकी कलाई से आ लिपटी पिरामिडों की रानी सौडांगी —

मिस किलर! अपने हाथ को इस बटन से दूर रख!

आह!

अगले ही पल उछलकर दूर आ पड़ी सौडांगी

हा हा हा! मेरे जिस्म में प्रवाहित हुई बिजली का मामूली झटका भी तू न सह पाई नागिन!

आह!

मिस किलर का हाथ बटन की तरफ बढ़ चला।

…और लहराया नागराज —
जौली!
जौली और प्रोफेसर को तो बचा गया नागराज!
किंतु — ढेरों नुकीले काँच के टुकड़े आ गिरे नागराज पर!
छनाक
प्रोफेसर घिसटकर आ पहुंचा नागराज के निकट —
उफ़! नागराज! मैं तुम्हारे लिए और तो कुछ नहीं कर सकता, पर तुम्हारे शरीर को काँचमुक्त अवश्य कर सकता हूं!
मिस किलर के एक और बटन दबाते ही आ पहुंचे वहां रोबोट —
खत्म कर दो इन सबको!

शार्डोट ने नागराज पर किया सुपर-गोंद का वार!
नागराज झूलता चला गया उस सर्परस्सी पर!
तड़ाक
नागराज को बहुत जल्दी है निपटने तुमसे प्यारे बॉडीडूस!
प्रोफेसर चित्राकर पागलों की तरह वह स्प्रे छिड़कता चला गया उन बॉडीडूस पर —
दूर रहो शैतानो! क्योंकि मैं जानता हूं कि सुपर अल्ट्रासिव की पावर को कैसे नष्ट किया जा सकता है!
भारती टूट पड़ी थी मिस किलर पर —
मिस किलर! शैतान औरत! तू ही है सारी लड़ाई की जड़!
और इधर नागराज कर रहा था अपने प्रलयंकारी रूप में बॉडीडूस का सामना —
तेरे ये हाथ टूट जायें तो कहां से फेंकेगा गोंद! बोल! है कोई दूसरी जगह!

आ बेटे! तू
ी आ! ले, मुंह
ी अपनी सुपर
गोद से!

सौडांगी भी कसमसा रही थी ऑक्टोपस की बाहों की सलाखों—

और तब—

हुस, नागराज! अब मैं तुम्हारा खेल खत्म कर दूंगी। ये गन तेरे जिस्म को राख में बदल देगी!

पर नागराज तक न पहुंच पाती वह फायर—
प्रोफेसर?
आऽऽऽह
उठी प्रोफेसर दिवाकर की तरफ—
धा धा
और दौड़ पड़ी जीकी भी—
जीकी ने उठाकर फेंक मारा रोबोट का टूटा हुआ वह सिर मिस किलर पर—
धाड़
हत्यारी! चुड़ैल!
उफ!
और इसी पल नहा गई मिस किलर खुद भी सुपर-अधेसिव से—
उफ!
पिच्च

नागराज को सामने ही मुस्कराता खड़ा पाया उसने —
मिस किलर ! ये तेरे ही बनाए रोबोट हैं जिनका प्रयोग अब मैंने तुझ पर किया है।
अब तू मेरे हाथों से बच नहीं पायेगी !
ठीक इसी पल गायब हो गई मिस किलर —
हा हा हा ! नागराज ! मिस किलर कभी तेरे हाथ जिन्दा नहीं लगेगी ! लेकिन जब भी वह लौटेगी, मौत का भयानक खतरा तेरे सिर पर मंडराएगा !
नागराज! मैं चाहती हूं मुझ से अगली मुलाकात तक तुम जिन्दा रहो। इसलिए जितनी जल्दी हो सके, यह जगह खाली कर दो, क्योंकि थोड़ी ही देर में मेरी यह रोबोट फैक्ट्री एक भीषण धमाके के साथ ब्लास्ट हो जायेगी। हा हा हा!

और जैसे ही नागराज जीवी को लेकर किलर फैक्ट्री से बाहर निकला—
नागराज! किलर की ग्लास फैक्ट्री तबाह हो गई।
नागराज! मैं अब तुम्हारे जिस्म में धंसे हुए कांच के टुकड़े निकाल दूं।
धड़ाम
और तब—
नागराज! चाहे गलतफहमी में ही सही, पर मेरे हाथों सुल्तानों के रूप में जो हत्याएं हुई हैं, उनकी जिम्मेदार मैं ही हूं! मैं खुद को कानून के सुपुर्द कर दूंगी!
आह
नागराज को पीड़ा मुक्त करने के बाद सौडांगी समा गई वापस नागराज के जिस्म में।
और नागराज खिन्न हुआ—
POLICE STATION
मुझे तुम से हमदर्दी है जीवी! किंतु अपने गुनाहों की सजा पाने के बाद तुम्हारी जिन्दगी तुम्हारे लिए सजा नहीं रह जायेगी!
और एक बार फिर शुरू करना था नागराज को अपना वह सफर जो शायद कभी भी खत्म होना था।
प्रिय पाठक मित्रों,
प्रस्तुत चित्रकथा ने आपका भरपूर मनोरंजन किया होगा। पूर्व की तरह अपनी अमूल्य राय से अवश्य अवगत करायें आपके प्यार भरे पत्रों की इंतजार में—
तुम्हारा सम्पादक मित्र
मनीष गुप्ता
1608, दरीबा कलां
दिल्ली-110006